E – 100 Marks
Batch-2023-2024

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

सत्र – १

परीक्षा : मई – २०२४

विषय : भारतीय साहित्यशास्त्र (HC - 101)

दि.: १५/०५/२०२४ **कुल अंक : १००** **समय : दो. २.०० से दो. ५.००**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ आचार्य भरत मुनि के रससूत्र की विविध आचार्योंद्वारा की गई व्याख्याओं का विवेचन कीजिए।

प्र. २ काव्यालंकार एवं काव्य आचार्यो पर प्रकाश डालिए।

प्र. ३ साधारणीकरण का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

प्र. ४ करुण रस की आस्वाधता पर प्रकाश डालिए।

प्र. ५ अलंकारों का काव्य में महत्त्व को अधोरेखित कीजिए।

प्र. ६ रीति सिद्धान्त की व्याख्या सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

प्र. ७ ध्वनि–सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

प्र. ८ वक्रोक्ति– सिद्धान्त का परिचय देते हुए उसके भेदों पर प्रकाश डालिए।

प्र. ९ औचित्य– सिद्धान्त पर आचार्य क्षेमेंद्र के विचारों को प्रस्तुत कीजिए।

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

१. रीति भेद

२. ध्वनि और शब्द शक्ति

३. वक्रोक्ति और अभिव्यंजना

४. काव्यांगों के संदर्भ में औचित्य विचार।